e-paper : www.dailynewsactivist.com लखनऊ, शनिवार, 28 मार्च 2020, चैत्र मास शुक्ल पक्ष चतुर्थी, संवत् 2076 विक्रमी वर्ष-13, अंक-163, पृष्ठ-12, मूल्य- ₹ 2.00, नगर संस्करण

DNA
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट
शब्द शब्द संघर्ष

RNI NO.: UPHIN/2007/41982 संस्करण : लखनऊ राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक website : www.dnahindi.com डाक पंजीयन : एसएसपी/एल.डब्लू./एन.पी.-358/2016-18

लाकडॉउन से रुक सकता है कोराना संक्रमण

अभिमत

● प्रो. भरत राज सिंह

brsinghlko@yahoo.com

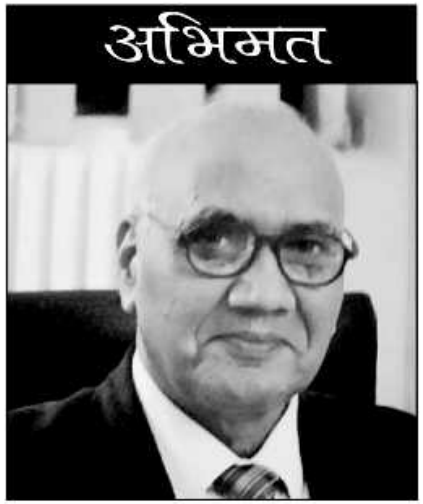

पूरा विश्व कोराना संक्रमण की महामारी से इस समय जूझ रहा है, यद्यपि विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी देश भी अभी कोई वैकसीन नही बना पाये हैं। चीन के वुहान शहर में दिसंबर 2019 के मध्य से शुरू हुआ कोरोना वायरस यानी कोविड-19 से अबतक 170 से ज्यादा देशों में संक्रमित लोगों की संख्या 475879 पहुंच गई है, जिनमें मुख्यत: थाईलैंड, ईरान, इटली, स्पेन, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त अरब अमीरात आदि शामिल हैं। इसके संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है और वर्तमान में 26 मार्च तक 21367 हो गई है, जबकि 22 मार्च तक यह संख्या 11401 थी। सबसे अधिक मौतें 25 मार्च तक इटली में 7503, स्पेन में 3647, चीन में 3287, इरान में 2077, फ्रांस में 1331, अमेरिका में 1036 तथा भारतवर्ष में 11 है। आजतक स्वस्थ हुये व्यक्तियों की संख्या 114.822 है । भारतवर्ष की आज 26 मार्च 2020 साय 7 बजे की स्थिति: कुल संक्रमित 712, जिसमे 59 नये जुड़े, मृत संख्या 14 और स्वस्थ हुये व्यक्तियो की संख्या 45। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ ने इसे महामारी घोषित कर दिया है और इससे बचने के लिये सात आसान स्टेप्स बताए हैं । जिनकी मदद से कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सकता है और खुद को भी इसके इंफेक्शन से बचाया जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचाव के जो दिशानिर्देश जारी किए हैं, उनके मुताबिक साबुन से बार-बार हाथ धोने चाहिए। अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। खांसते और छींकते समय नाक-मुंह रुमाल या टिश्यू पेपर से ढककर रखें। जिन लोगों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों, उनसे दूरी बनाकर रखें। कोल्ड और फ्लू के लक्षण मिलने पर जांच कराएं। अंडे और मांस के सेवन से बचें। जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें। बहरहाल, दुनिया भर की सरकारें कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक करने पर ध्यान दे रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है इस कोरोना संक्रमण को फैलने से रोककर ही इसे काबू में किया जा सकता है। इसके लक्षणों को पहचानकर ही कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर अथवा आइसोलेशन सेंटर में रखकर ही बेहतर तरीके से रोकथाम की जा सकती है। जब विश्व कोराना की वैश्विक महामारी से भीषण रूप से जूझ रहा है, तब भारतवर्ष के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जनता कर्फ्यू की सफलता और जनमानस के भागीदारी को देखते हुये 24 मार्च से 21 दिन के लिये देश के सभी प्रदेशो में लॉकडाउन को कर्फ्यू से अधिक मान्यता देते हुये पालन करने की जनता से अपील की है। निश्चित ही यह मानवता की सुरक्षा के लिये तथा आपके परिवार व परिजनों के जीवन की सुरक्षा के लिये वरदान साबित होगा । विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ ने नरेंद्र मोदी के इस कदम की सराहना की है । आइये इस उद्देश्य का पूर्ण समर्थन करें। आज जब सम्पूर्ण शिक्षण संस्थाएं, सरकारी व गैरसरकारी संस्थाएं, कार्यालय तथा सभी यातायात सेवाएं बंद कर दी गई हैं, लोगों को घरों तक सीमित कर दिया गया है तो आवश्य वस्तुओं को मुहैया कराना, दैनिक कार्यरत मजदूरों के भरण पोषण, 21 दिन के लॉकडाउन को पालन कराना सरकार के लिये एक बड़ी चुनौती है। छोटी सी चूक ने आज इटली, स्पेन, ईरान आदि को लॉकडाउन की घोषणा में देरी से उन्हें कोराना संक्रमण की महामारी ने काल ग्रसित कर लिया है और उन्हें संक्रमणग्रस्त व्यक्तियों की मृत्यु दर को नियंत्रित करना कठिन हो गया है। स्पेन के प्रधानमंत्री हताशा की स्थिति से गुजर रहे हैं और केवल इस महामारी पर ईश्वर से अपने देशवासियों को बचाने की प्रार्थना कर रहे हैं। आज की इस विषम स्थिति भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं, जिसमें मुख्यत: गरीबी रेखा से नीचे के परिवारो को 3 माह तक मुफ्त गैस सिलिंडर, 35 किलो राशन, 2 रु प्रति किलोग्राम गेहूं व 3 रु प्रति किलोग्राम चावल, 15000 रु प्रतिमाह से कम वेतनभोगी को 3 माह तक ईपीएफ का भुगतान 12 फीसदी कर्मचारी व 12 फीसदी नियोक्ता का शेयर सरकार द्वारा किये जाने व 15000 रु प्रतिमाह से अधिक के वेतनभोगी कर्मियों को जमा ईपीएफ अथवा 3 माह के वेतन जोभी कम होगा, निकालने की सुविधा आदि प्रदान की गई है, जो स्वागत योग्य है। ऐसे समय में कई स्वंयसेवी संस्थाएं भी दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों आदि के भरण पोषण का जिम्मा उठा रखा है, यह देश प्रेम तथा मानवता के प्रति उनकी जिम्मेदारी दर्शाता है। आज जब हमारा देश 130 करोड़ की आबादी का देश है तो ऐसी विषम परिस्थितियों में कठिनाई भी उतनी बड़ी है। इस समय जिस महामारी के समय से हम गुजर रहे हैं, सभी भारत के निवासियों का यह कतव्य व राष्ट्रधर्म है कि हम लॉकडाउन के नियमों का पालन करें और लोगों को इसके कठोर ढंग से पालन करने हेतु प्रेरित करें। चूंकि देश हमारा है, देश पर विपत्ति के पल में भी मजबूती से खड़ा होना हमारा धर्म है। मानवता जिंदा रहेगी तो सृष्टि भी चलती रहेगी। अत: हमारा कर्तव्य है कि हम लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए अपने को सुरक्षित रखें और किसी को भी जनता में भ्रामक स्थिति फैलाने न दें। मेरे विचार से संपूर्ण देश में एक साथ लॉकडाउन लाना एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है, जिसका स्वागत सभी को करना चाहिये।

(लेखक लखनऊ में स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक और वैदिक विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष हैं)